NT>
Title: Regarding the news of Shri Virendra Singh, a Member of Parliament, published in India Today be enquired by the Privilege Committee.

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत गंभीर विषय पर अपनी बात इस सदन में रखना चाहता हूं। इंडिया टुडे अंग्रेज़ी संस्करण २१ दिसंबर १९९८ और हिन्दी संस्करण २३ दिसंबर, १९९८ को 'हार नहीं मानूंगा' आवरण कथा में मेरा ज़िक्र बहुत गलत ढंग से किया गया है।

MR. SPEAKER: Shri Virendra Singh, you have given notice about it. It is under my consideration.

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह मेरे सम्मान का सवाल है और जो इंडिया टुडे में छपा है कि स्वदेशी के विषय पर मैंने माफी मांगी है...।

13.47 hrs. (Mr. Deputy Speaker in the Chair)

उपाध्यक्ष महोदय : वीरेन्द्र सिंह जी, मेरे पास ५६ नाम हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं स्पीकर साहब से इस सवाल पर मिला था। यह सवाल मेरे सम्मान के साथ जुड़ा है और मेरी विश्वसनीयता के साथ जुड़ा है। ... (व्यवधान) मैं इस बारे में कहां बात करूंगा।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मैं आपको रोक नहीं रहा हूं। मैंने कहा कि अभी हम ज़ीरो अवर शुरू कर रहे हैं और पौने दो बज चुके हैं। आप संक्षिप्त रूप से अपनी बात बताइए। सब लोगों को चान्स मिलना चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिंह : मैं संक्षिप्त रूप से कहूंगा।

इंडिया टुडे के अंग्रेज़ी संस्करण २१ दिसंबर, १९९८ और हिन्दी संस्करण २३ दिसंबर, १९९८ के अंक में 'हार नहीं मानूंगा' आवरण कथा में मेरा ज़िक्र बहुत गलत ढंग से किया गया है। उसमें यह वर्णन किया गया है कि मैंने स्वदेशी के सवाल पर प्रधान मंत्री जी से माफी मांगी है। स्वदेशी के सवाल पर पार्लियामैंट्री कमेटी के अंदर जो बात की जाती है, वह कैसे प्रैस में छपी। दूसरा सवाल यह है कि स्दवेशी अवधारणा के आधार पर हम राजनीतिक कार्यकर्ता हैं और यह विषय जो छपा है कि मैंने प्रधान मंत्री जी से माफी मांगी है, मुझसे न तो स्वदेशी के सवाल पर माफी मांगने के लिए कहा गया और न मैंने माफी मांगी है। स्वदेशी की अवधारणा के आधार पर हमने राजनीतिक कार्यक्रम को स्वीकार किया है। इससे मेरे क्षेत्र में और देश के दूसरे हिस्सों में लोग मेरी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप सरकार से क्या कहना चाहते हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंह : यह मेरी विश्वसनीयता का सवाल है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा जो जन्म स्थान है, वहां १८५७ में साम्राज्यवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी गयी, १९४२ में साम्राज्यवाद के खिलाफ, अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी गई। वह मेरा जन्म स्थान है और चन्द्रशेखर जी उस स्थान का नेतृत्व करते हैं और जानते हैं कि स्वदेशी के आधार पर हम लोगों ने झुकना स्वीकार नहीं किया है, बलिदान देना स्वीकार किया है। बलिया का शहीद स्मारक इसका जीता जागता प्रमाण है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इंडिया टुडे पत्रिका में जो छपा है कि मैंने माफी मांगी है और प्रधान मंत्री ने मुझसे माफी मांगने के लिए कहा है, तो न मैंने माफी मांगी है और न स्वदेशी के सवाल पर मैं माफी मांगने वाला हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं यह मेरी विश्वसनीयता का सवाल है, आप मेरे सम्मान की रक्षा कीजिए।

उपाध्यक्ष महोदय : आप सरकार से क्या कार्रवाई कराना चाहते हैं, यह बताइये।

श्री वीरेन्द्र सिंह : मैंने अपने सम्मान की रक्षा के लिए

... (व्यवधान)

ऊ

>

श्री चन्द्रशेखर : उपाध्यक्ष जी, हर समय जब ऐसे सवाल यहां उठते हैं तो अध्यक्ष महोदय की ओर से यह कहा जाता है कि मैं इस पर विचार कर रहा हूं। अगर किसी सदस्य के बारे में कह दिया जाए कि वह राष्ट्रद्रोही है। किसी सवाल पर जो उसकी मौलिक मान्यता है, उसने माफी मांगी है। इसको आप तुरंत प्रिविलेज कमेटी में क्यों नहीं भेज देते हैं, इस पर क्या जांच कर रहे हैं? जब सदस्य कह रहा है कि उसने माफी नहीं मांगी है और किसी अखबार वाले ने यह बात छापी है तो उसे तुरंत विशेषाधिकार समिति को सौप देना चाहिए।

>

>

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): उपाध्यक्ष महोदय, यह क्लियर कट विशेषाधिकार का मामला बनता है। किसी प्रैस को यह अधिकार नहीं है कि वह किसी के ि वषय में अपमानजनक और असत्य बातें छापकर उसकी छवि को धूमिल करे। इसलिए सदस्यों की मर्यादा और गरिमा की रक्षा करना आपका कर्तव्य है। इसलिए हम आपसे आग्रह करते हैं कि इस मामले को विशेषाधिकार समिति को सौप दिया जाए।

>

>

डा. विजय सोनकर शास्त्री (सैदपुर): उपाध्यक्ष महोदय, कोई इस मामले में माफी मांगे, इसका तो सवाल ही नहीं उठता।

>

>

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल (वाराणसी): सर, यह मामला प्रिविलेज कमेटी में जाना चाहिए और इस तरह की गलत बातें नहीं होनी चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय : यह मामला स्पीकर साहब के पास है

... (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह : सर, स्पीकर साहब ने मुझसे कहा है कि मैं इसे प्रिविलेज कमेटी में भेज रहा हूं। मेरी उनसे निजी तौर पर बात हुई है।

श्री आरिफ मोहम्मद खां (बहराइच) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे दरख्वास्त है और मैं आपसे सिर्फ एक वाक्य कहना चाहूंगा कि आप माननीय अध्यक्ष महोदय को सदन की भावना से अवगत करा दें। यह एक गंभीर मामला है।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : यह मामला स्पीकर साहब के पास है, इस पर क्या कार्रवाई करनी है, वह करेंगे।

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने एडजर्नमैंट मोशन का नोटिस दिया है

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी (दरभंगा): उपाध्यक्ष जी, मैने नोटिस दिया है, यह एक बहुत सीरियस मामला है

... (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : मैने एडजर्नमैंट मोशन का नोटिस दिया है, उसको आपको पहले लेना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय : आपका मामला भी स्पीकर साहब के पास है।

... (व्यवधान)

SHRI A.C. JOS (MUKUNDAPURAM): Sir, I would like to bring a very serious issue to the attention of the House. There is a tussel between the Navy and the Government. The Cabinet Committee on Appointments ... (Interruptions)